GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

समस्तीपुर जिले के शिक्षक-प्रशिक्षुओं (बी.एड.) की शिक्षण अभिवृत्ति का अध्ययन

प्रेमचंद यादव
शिक्षाशास्त्र सहायक प्राध्यापक
जे० पी० शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
समस्तीपुर, बिहार

शोध-सार

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य बिहार के समस्तीपुर जिले के बी.एड. शिक्षक-प्रशिक्षुओं की शिक्षण अभिवृत्ति का स्तर जानना तथा लिंग (पुरुष/महिला) और स्ट्रीम (कला/विज्ञान) के आधार पर उसकी तुलना करना है। अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि अपनाई गई और 200 प्रशिक्षुओं पर शिक्षण अभिवृत्ति मापनी प्रशासित की गई। आँकड़ों का विश्लेषण मध्यमान, मानक विचलन और t-परीक्षण से किया गया। अधिकांश प्रशिक्षु (65%) औसत स्तर की अभिवृत्ति वाले पाए गए, 19% उच्च और 16% निम्न स्तर के थे। महिला प्रशिक्षुओं की शिक्षण अभिवृत्ति पुरुष प्रशिक्षुओं से .05 स्तर पर सार्थक रूप से अधिक रही, जबकि कला एवं विज्ञान स्ट्रीम के प्रशिक्षुओं में कोई सार्थक अन्तर नहीं मिला। निष्कर्ष शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रमों में अभिवृत्ति-विकास की गतिविधियों को सुदृढ़ करने का संकेत देते हैं।

मुख्य शब्द: शिक्षण अभिवृत्ति, शिक्षक-प्रशिक्षु, बी.एड., समस्तीपुर, लिंग, स्ट्रीम

1. प्रस्तावना

शिक्षक की गुणवत्ता किसी भी शिक्षा-व्यवस्था की आधारशिला है, और शिक्षक की सफलता केवल विषय-ज्ञान या कौशल पर नहीं, उसकी अभिवृत्ति पर भी निर्भर करती है। ऑलपोर्ट (1935) ने अभिवृत्ति को अनुभव से निर्मित वह मानसिक-स्नायविक तत्परता माना है जो व्यक्ति की प्रतिक्रियाओं को दिशा देती है; ईगली एवं चाइकेन (1993) अभिवृत्ति को किसी वस्तु, व्यक्ति या विचार के प्रति अनुकूल या प्रतिकूल मूल्यांकन की

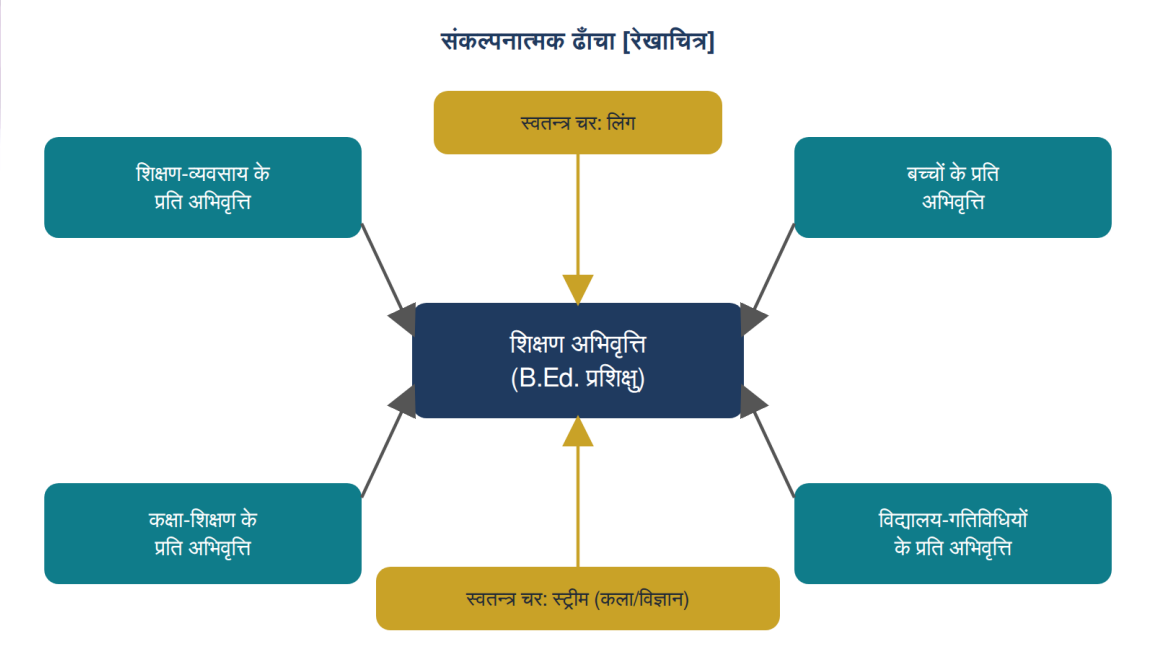
GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

प्रवृत्ति के रूप में देखते हैं। इस प्रकार शिक्षण अभिवृत्ति का तात्पर्य शिक्षण-व्यवसाय, बच्चों और कक्षा-शिक्षण के प्रति प्रशिक्षु के अनुकूल या प्रतिकूल दृष्टिकोण से है।

शिक्षक-शिक्षा के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढाँचे (एन.सी.टी.ई., 2009) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, 2020) में सुयोग्य, संवेदनशील और प्रतिबद्ध शिक्षकों की तैयारी पर बल दिया गया है। द्विवर्षीय बी.एड. कार्यक्रम इसी तैयारी का प्रमुख माध्यम है (एन.सी.टी.ई., 2014)। अतः यह जानना उपयोगी है कि प्रशिक्षुओं में शिक्षण के प्रति कैसी अभिवृत्ति विकसित हो रही है।

2. शिक्षण अभिवृत्ति की अवधारणा

इस अध्ययन में शिक्षण अभिवृत्ति को चार पक्षों में देखा गया है: शिक्षण-व्यवसाय के प्रति, बच्चों के प्रति, कक्षा-शिक्षण के प्रति और विद्यालय-गतिविधियों के प्रति अभिवृत्ति। लिंग और स्ट्रीम को स्वतन्त्र चर के रूप में लिया गया है। चित्र 1 में अध्ययन का संकल्पनात्मक ढाँचा दर्शाया गया है।



चित्र 1: अध्ययन का संकल्पनात्मक ढाँचा

3. शोध की आवश्यकता एवं औचित्य

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

शिक्षण के प्रति अनुकूल अभिवृत्ति वाला प्रशिक्षु कक्षा में अधिक प्रतिबद्ध और संवेदनशील शिक्षक बनने की सम्भावना रखता है। प्रशिक्षुओं की अभिवृत्ति का स्तर जानने से शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थान अपने कार्यक्रमों, अभ्यास-शिक्षण और परामर्श को अधिक सार्थक बना सकते हैं। समस्तीपुर जिले के सन्दर्भ में यह स्थानीय अध्ययन शिक्षक-शिक्षा की योजना में उपयोगी हो सकता है।

4. शोध के उद्देश्य

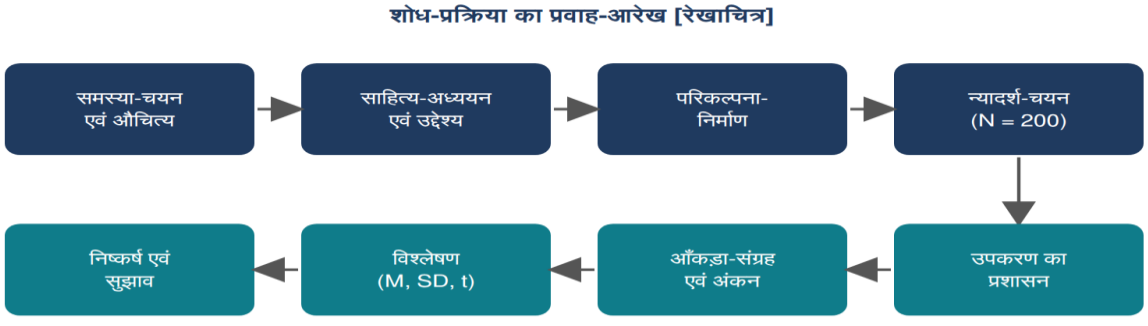
- समस्तीपुर जिले के बी.एड. प्रशिक्षुओं की शिक्षण अभिवृत्ति के स्तर का अध्ययन करना।
- पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं की शिक्षण अभिवृत्ति की तुलना करना।
- कला एवं विज्ञान स्ट्रीम के प्रशिक्षुओं की शिक्षण अभिवृत्ति की तुलना करना।

5. शोध परिकल्पनाएँ

- $H_0 1$: पुरुष एवं महिला बी.एड. प्रशिक्षुओं की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
- $H_0 2$: कला एवं विज्ञान स्ट्रीम के बी.एड. प्रशिक्षुओं की शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

6. शोध-पद्धति

6.1 शोध-विधि अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि अपनाई गई (कोठारी, 2004; बेस्ट एवं काहन, 2006)। शोध-प्रक्रिया के चरण चित्र 2 में दिखाए गए हैं।



चित्र 2: शोध-प्रक्रिया का प्रवाह-आरेख

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

6.2 जनसंख्या एवं न्यादर्श

जनसंख्या समस्तीपुर जिले के बी.एड. प्रशिक्षु हैं। इनमें से 200 प्रशिक्षुओं का चयन लिंग और स्ट्रीम का ध्यान रखते हुए किया गया। न्यादर्श का वितरण तालिका 1 में है।

लिंग	कला स्ट्रीम	विज्ञान स्ट्रीम	कुल
पुरुष	58	42	100
महिला	52	48	100
कुल	110	90	200

तालिका 1: न्यादर्श का वितरण (N = 200)

6.3 शोध-उपकरण

आँकड़े एकत्र करने के लिए "शिक्षक-प्रशिक्षु शिक्षण अभिवृत्ति मापनी (शि.अ.मा.)" का प्रयोग किया गया, जिसमें शिक्षण-व्यवसाय, बच्चों, कक्षा-शिक्षण और विद्यालय-गतिविधियों से सम्बन्धित कुल 30 कथन हैं।प्रत्येक कथन पाँच-बिन्दु पैमाने पर आँका जाता है; अनुकूल कथनों में 5 से 1 तथा प्रतिकूल कथनों में 1 से 5 अंक दिए गए, जिससे अंक-परास 30 से 150 है और उच्च अंक अनुकूल अभिवृत्ति दर्शाते हैं।मापनी की विश्वसनीयता क्रॉनबाख अल्फा द्वारा 0.86 तथा अर्द्ध-विभाजन विधि द्वारा 0.84 पाई गई।7 विषय-विशेषज्ञों द्वारा विषय-वस्तु की जाँच से इसकी वैधता स्थापित की गई।

6.4 आँकड़ों का विश्लेषण

अभिवृत्ति के स्तर के लिए कुल मध्यमान (M) और मानक विचलन (SD) के आधार पर वर्गीकरण किया गया: M + 1 SD या उससे अधिक अंक पाने वाले उच्च, M − 1 SD या उससे कम अंक पाने वाले

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

निम्न तथा शेष औसत स्तर के माने गए। समूहों की तुलना के लिए दो स्वतन्त्र समूहों हेतु t-परीक्षण तथा प्रभाव-आकार (कोहेन का d) का प्रयोग किया गया (गैरेट, 2007)।

6.5 परिसीमन

अध्ययन समस्तीपुर जिले के बी.एड. प्रशिक्षुओं तथा लिंग और स्ट्रीम चरों तक सीमित है।

7. परिणाम एवं विश्लेषण

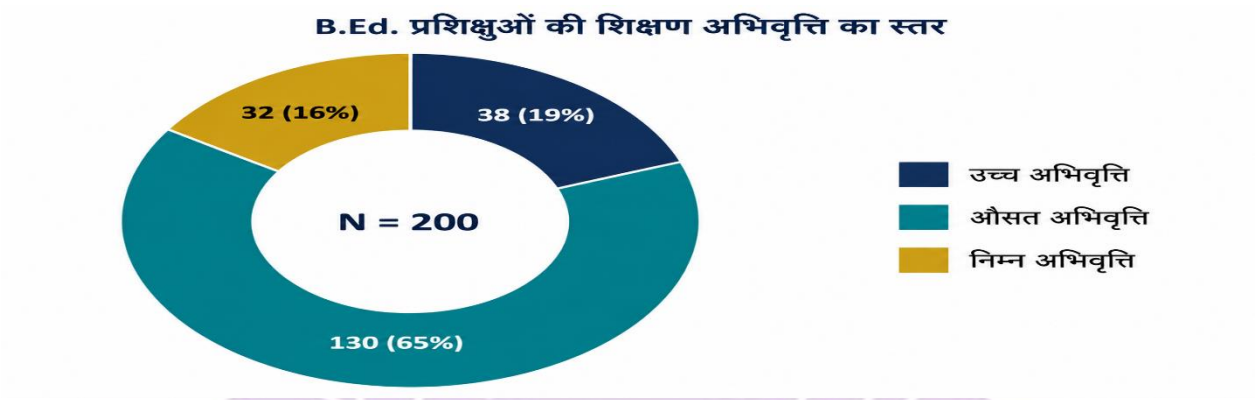
7.1 शिक्षण अभिवृत्ति का स्तर

सम्पूर्ण न्यादर्श का मध्यमान 112.4 तथा मानक विचलन 14.7 रहा। इसके आधार पर स्तर-वितरण तालिका 2 और चित्र 3 में प्रस्तुत है।

अभिवृत्ति का स्तर	अंक-परास	संख्या	प्रतिशत
उच्च	127.1 एवं अधिक	38	19%
औसत	97.8 से 127.0	130	65%
निम्न	97.7 एवं कम	32	16%
कुल	—	200	100%

तालिका 2: शिक्षण अभिवृत्ति का स्तर-वितरण

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026



चित्र 3: शिक्षण अभिवृत्ति के स्तर का वितरण

अधिकांश प्रशिक्षु (65%) औसत स्तर की शिक्षण अभिवृत्ति वाले हैं; 19% उच्च और 16% निम्न स्तर पर हैं। अर्थात् लगभग छठा हिस्सा प्रशिक्षुओं में अभिवृत्ति सुदृढ़ करने की विशेष आवश्यकता दिखती है।

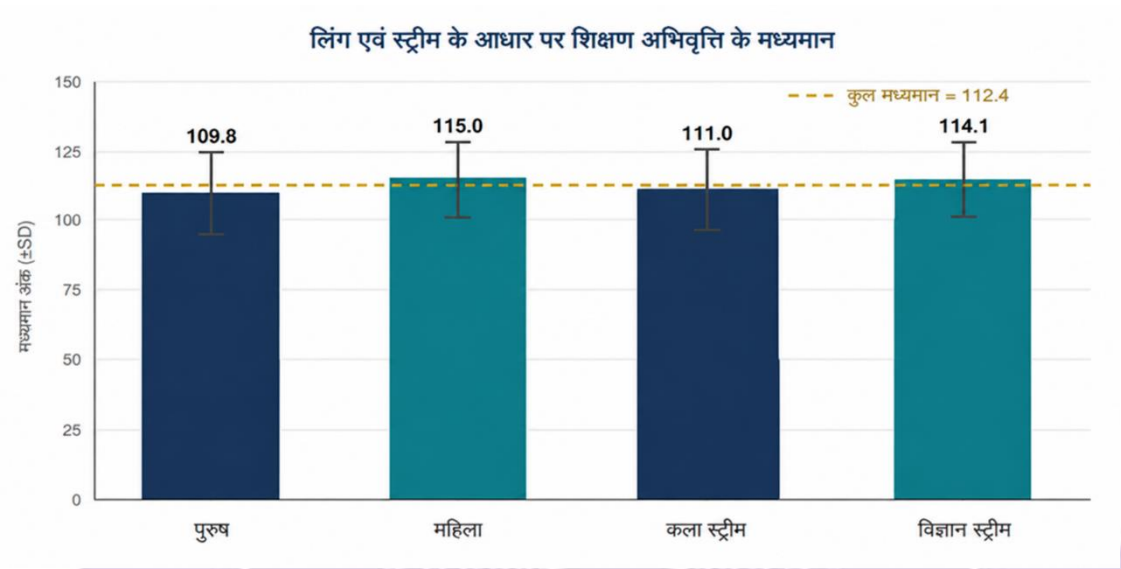
7.2 लिंग के आधार पर तुलना ($H_0 1$)

लिंग और स्ट्रीम के आधार पर मध्यमान, मानक विचलन तथा t-मान तालिका 3 में हैं और चित्र 4 में आलेख के रूप में दर्शाए गए हैं।

तुलना	समूह	N	M	SD	t-मान	सार्थकता (df = 198)	प्रभाव-आकार (d)
लिंग	पुरुष	100	109.8	15.2	2.55	सार्थक (.05)	0.36
	महिला	100	115.0	13.6			
स्ट्रीम	कला	110	111.0	14.9	1.5	सार्थक नहीं	0.21
	विज्ञान	90	114.1	14.1			

तालिका 3: लिंग एवं स्ट्रीम के आधार पर शिक्षण अभिवृत्ति की तुलना

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026



चित्र 4: लिंग एवं स्ट्रीम के आधार पर मध्यमान (±SD)

महिला प्रशिक्षुओं का मध्यमान (115.0) पुरुष प्रशिक्षुओं (109.8) से अधिक है। t-मान 2.55 .05 स्तर पर सार्थक है (.01 स्तर पर नहीं)। अतः H_o1 अस्वीकृत की जाती है। प्रभाव-आकार (d = 0.36) अन्तर को निम्न-से-मध्यम स्तर का दर्शाता है।

7.3 स्ट्रीम के आधार पर तुलना (H_o2)

विज्ञान स्ट्रीम के प्रशिक्षुओं का मध्यमान (114.1) कला स्ट्रीम (111.0) से कुछ अधिक है, परन्तु t-मान 1.5 .05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः H_o2 स्वीकृत की जाती है, अर्थात् स्ट्रीम के आधार पर शिक्षण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

8. परिणामों की चर्चा

औसत स्तर की अभिवृत्ति वाले प्रशिक्षुओं की बहुलता यह संकेत देती है कि प्रशिक्षण-कार्यक्रम में अभिवृत्ति-विकास की पर्याप्त गुंजाइश है। महिला प्रशिक्षुओं में अपेक्षाकृत अधिक अनुकूल अभिवृत्ति के पीछे शिक्षण को एक स्वीकार्य व्यवसाय मानने की सामाजिक प्रवृत्ति जैसे कारण सम्भव हो सकते हैं, पर इन्हें इस अध्ययन में

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

मापा नहीं गया है, इसलिए इन्हें केवल सम्भावित व्याख्या माना जाए। स्ट्रीम के आधार पर सार्थक अन्तर का न होना दर्शाता है कि शिक्षण के प्रति दृष्टिकोण पर पूर्व-अध्ययन का विषय-क्षेत्र निर्णायक प्रभाव नहीं डालता।

9. शैक्षिक निहितार्थ

- बी.एड. पाठ्यक्रम में अभिवृत्ति-विकास हेतु चिन्तनशील अभ्यास, अनुभव-साझा करने के सत्र और सूक्ष्म-शिक्षण को स्थान मिले।
- निम्न अभिवृत्ति वाले प्रशिक्षुओं के लिए परामर्श एवं मार्गदर्शन की व्यवस्था की जाए।
- अभ्यास-शिक्षण में अनुभवी शिक्षकों द्वारा सकारात्मक आदर्श-प्रस्तुति एवं प्रतिपुष्टि सुनिश्चित की जाए।
- पुरुष प्रशिक्षुओं की रुचि और प्रेरणा बढ़ाने वाली गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

10. निष्कर्ष

अधिकांश बी.एड. प्रशिक्षुओं की शिक्षण अभिवृत्ति औसत स्तर की पाई गई। महिला प्रशिक्षुओं की अभिवृत्ति पुरुष प्रशिक्षुओं से .05 स्तर पर सार्थक रूप से अधिक रही, जबकि कला और विज्ञान स्ट्रीम के प्रशिक्षुओं में कोई सार्थक अन्तर नहीं मिला। प्रभाव-आकार निम्न-से-मध्यम होने के कारण निष्कर्षों को सावधानी से सामान्यीकृत किया जाए। भविष्य के अध्ययनों में पारिवारिक पृष्ठभूमि, शिक्षक बनने की प्रेरणा, शैक्षिक उपलब्धि और संस्थान के प्रकार जैसे चर जोड़े जा सकते हैं।

संदर्भ-सूची

भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय. (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 [National Education Policy 2020]. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।

Allport, G. W. (1935). Attitudes. In C. Murchison (Ed.), A handbook of social psychology (pp. 798–844). Clark University Press.

Best, J. W., & Kahn, J. V. (2006). Research in education (10th ed.). Pearson Education.

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

Eagly, A. H., & Chaiken, S. (1993). The psychology of attitudes. Harcourt Brace Jovanovich.

Garrett, H. E. (2007). Statistics in psychology and education. Paragon International Publishers.

Kothari, C. R. (2004). Research methodology: Methods and techniques (2nd ed.). New Age International.

National Council for Teacher Education. (2009). National curriculum framework for teacher education: Towards preparing professional and humane teacher. NCTE.

National Council for Teacher Education. (2014). Regulations 2014: Norms and standards for secondary teacher education programme leading to Bachelor of Education (B.Ed.) degree. NCTE

.